22

भारतः एक अल्पविकसित अर्थव्यवस्था

*श्री निरंजन कुजूर**

भारत की अर्थव्यवस्था को अल्पविकसित अर्थव्यवस्था माना जाता है, अल्पविकसित अर्थव्यवस्था से तात्पर्य एक ऐसी अर्थव्यवस्था से है, जो न तो विकसित अर्थव्यवस्था की श्रेणी में आती है और न ही विकासशील अर्थव्यवस्था की अल्पविकसित अर्थव्यवस्था वाले देशों में गरीबी ,भूखमरी, अशिक्षा ,बेरोजगारी अपराध आदि व्यापक स्तर पर पाई जाती है।

गरीबी का दुष्चक्र के संबंध में रेगनर नर्क्से ने कहा है कि कोई देश इसलिए गरीब है क्योंकि वह गरीब है।

लॉरेंस वक्र– लॉरेंस वक्र किसी भी देश के समाज में आय की समानता– असमानता को प्रदर्शित करने वाला ग्राफ है। यह रेखा जितनी वक्रीय होगी असमानता उतनी ही अधिक होगी ।

भारतीय अर्थव्यवस्था एक अल्पविकसित अर्थव्यवस्था है भारतीय अर्थव्यवस्था को अल्पविकसित मानने के पीछे निम्न कारक हैं:

1. प्रति व्यक्ति आय का नीचा स्तरः भारत में प्रति व्यक्ति आय का स्तर काफी निम्न है, निम्न होने के कारण बचत, विनियोग का दर भी निम्न है।

2. आय व संपत्ति का असमान वितरणः भारत में आय के साथ–साथ संपत्ति का असमान वितरण पाया जाता है। यहाँ संपत्ति का केन्द्रीकरण पाया जाता है। यहाँ संपत्ति मुठ्ठी भर लोगों के हाथों में केन्द्रित है। यही कारण है कि भारत में गरीब और गरीब तथा अमीर और अमीर बनता जाता है।

3. कृषि की प्रधानताः भारत एक कृषि प्रधान देश है। यहाँ की अधिकांश आबादी कृषि पर निर्भर है, भारतीय कृषि मानसून का जूआ भी कहलाती है क्योंकि यहाँ की कृषि कभी अल्पवृष्टि, कभी अतिवृष्टि, तो कभी सुखा, कभी बाढ़ का सामना करना पड़ता है।

4. जनसंख्या में वृद्विः भारत में जनसंख्या बहुत ही तेज गति से बढ़ रही है, ऐसा माना जाता है कि भारत प्रतिवर्ष एक आस्ट्रेलिया को जन्म देता है। भारत में जनसंख्या इसी गति से बढ़ती रही तो वह दिन दूर नही जब भारत पूरे विश्व में नंबर वन स्थान प्राप्त कर लेगा।

5. ऊँची निर्भरता अनुपातः भारत में कार्यशील जनसंख्या की तुलना अकार्यशील जनसंख्या अधिक है जो पूरी तरह से कार्यशी जनसंख्या पर आश्रित है।

6. पूंजी की कमीः भारत में पूंजी की कमी होने के कारण पूर्व में उल्लेख किया जा चुका है कि बचत एवं विनियोग का दर निम्न है।

* सहायक प्राध्यापक अर्थशास्त्र, शासकीय महाविद्यालय धरमजयगढ, ज़िला रायगढ़ (छ.ग.)

7. बेरोजगारीः भारत में कृषि मजदूर साल के छः माह बेरोगार रहते हैं। यहाँ शिक्षित बेरोजगारों की संख्या भी दिन–प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है, कारण यहाँ की शिक्षा प्रणाली दोषपूर्ण है। यहाँ मौसमी चक्रीय, आदि अनेक प्रकार की बेरोजगारी पाई जाती है।

8. गरीबीः मार्क्स ने समस्त समस्याओं कारण गरीबी या आर्थिक को माना है। भारत में आज भी गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वालों का अनुपात काफी अधिक है।

9. बाजार की अपूर्णताएँः भारत में उत्पादित वस्तुओं को खपत करने के लिए पर्याप्त बाजार नही है , साथ–साथ विदेशी कंपनियों के प्रवेश ने भारतीय अर्थव्यवस्था बहुत अधिक प्रभावित किया है।

10. अधो–संरचना का पिछड़ापनः भारत में आज भी सड़क, रेल बिजली, यातायात के साधन ,जल आदि मूलभूत सुविधाओं का अभाव है, जिसे हम अल्पविकसित अर्थव्यवस्था के मुख्य बिन्दुओं में शामिल कर सकते हैं।

11. तकनीकी पिछड़ापनः भारत के कृषि, उद्योग आदि अनेक क्षेत्रों में पुरानी तकनीक का प्रयोग किया जाता है, जो उत्पादन के स्तर को प्रभावित करता है। इसके विपरित विकसित देशों में कृषि, उद्योग के क्षेत्रों में आधुनिक व नवीन तकनीक का प्रयोग करने के कारण वहाँ उत्पादन व्यापक पैमाने पर उत्तम क्वालिटी का होता है।

12. कुपोषणः कुपोषण के अल्पविकसित अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण लक्षणों में से एक है यहाँ के बच्चों व महिलाओं में कुपोषण का दर काफी उच्च है।

13. प्रशासन की पुरानी व्यवस्थाः भारत काफी लंबे समय से ब्रिटिश शासन का गुलाम रहा है, अतः स्वतंत्रता के बाद भी यहाँ प्रशासनिक संरचना वही है जो ब्रिटिश शासनकाल में बनाई गई था। प्रशासनिक व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए जो भारत व भारतीयों के अनुरूप हो।

14. भ्रष्टाचारः भारत में भ्रष्टाचार शासन के सभी अंगों में जड़ से ऊपर से नीचे तक फैला हुआ है।

15. न्याय प्रणालीः भारत में न्याय प्रणाली काफी धीमी है। यहाँ किसी भी मुकद्दमे का फैसला आने में काफी समय लग जाता है।

16. अपराधः भारत अपराध जैसे– हत्या लूटपाट, चोरी, बलात्कार, बाल अपराध जैसी सामाजिक बुराई हमें देखने व सुनने को मिलती है।

17. जीवन के मूलभूत आधारः भारत में रोटी, कपड़ा, मकान के साथ–साथ शिक्षा एवं स्वास्थ्य को जीवन के मूलभूत आधार में शामिल किया गया है।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि भारत एक अल्पविकसित देश है, आज भारत अल्पविकसित से विकासशील राष्ट्र की ओर अग्रसर हो रहा है, भारत एक धनी देश है, लेकिन यहाँ के लोग पिछड़े हुए हैं। इसका प्रमुख कारण है यहाँ उपलब्ध संसाधनों का पर्याप्त उपयोग न होना। भारत जिस रफ्तार से प्रगति कर रहा है उससे स्पष्ट होता है कि वह दिन दूर नही की भारत एक दिन पूरे विश्व में महा शक्ति के रूप में विश्व पटल पर उभर कर आयेगा।

संदर्भ ग्रंथ

प्रतियोगिता सारांश
पत्र–पत्रिकाएँ, नेट

J.B. TEACHER'S TRAINING INSTITUTE
EDUCATION IS SUCCESS
SADUL SHAHAR

Modern Trends in 21st Century Education

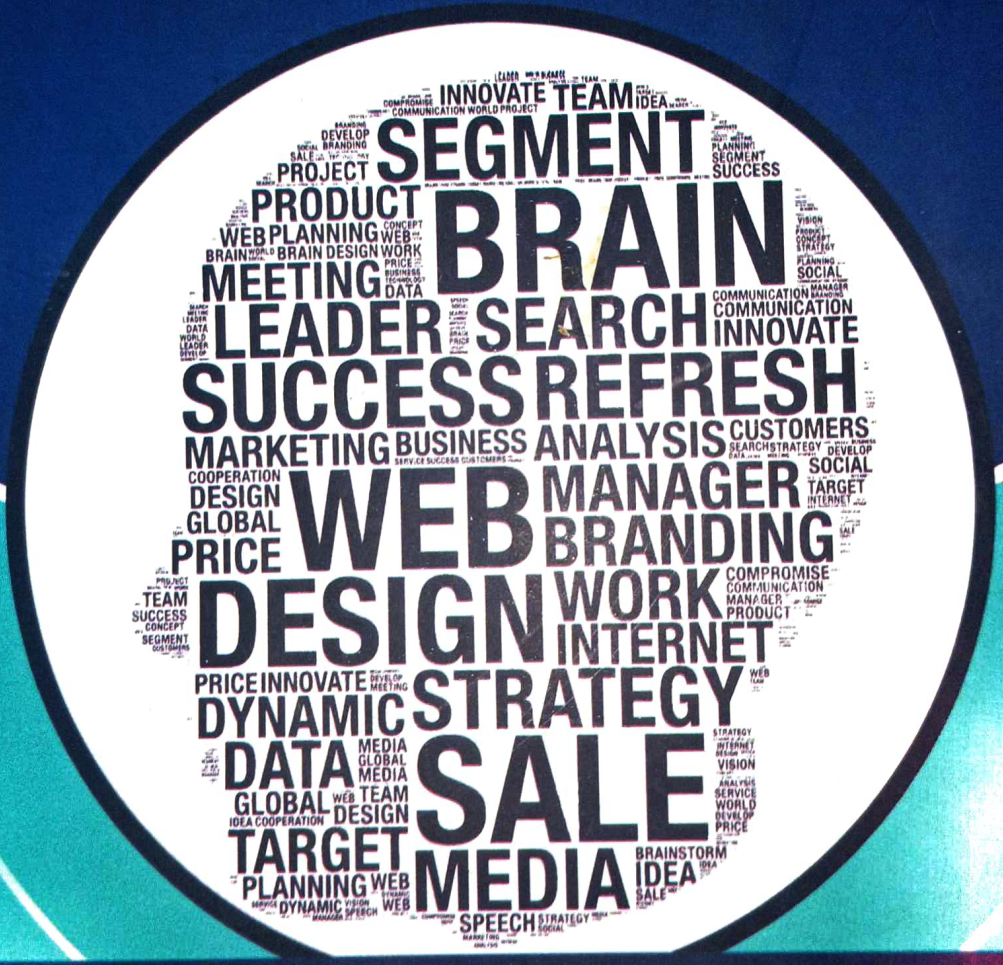

Chief Editor: **Dr. Usha Godara**

Editors: **Dr. Girdhar Sharma • Dr. Rajpal Verma**

J.B. Teacher's Training Institute 23ptp,

Sadul Shahar